



www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिक बीमारियां

के संस्करण 2016

8. अन्य वास्कुलटिस व अन्य बीमारियां

कूटनओउस् लुक्सटिक्लास्टिक वास्कुलटिस (यह भी कहे जाते हैं एलर्जिक वास्कुलटिस) का मतलब है खून की वाहिनी का किसी चीज़ के प्रति अनुचित प्रतिक्रिया के कारण होने वाला प्रज्वलन। दवाएं व संक्रमण बच्चों में प्रायः कारण हैं। यह सामान्यता छोटी धमनी को प्रभावित करती है और चमड़ी की बीओप्सी में वषिश प्रकार की देखती है।

ह्यूपोकप्लेमेंटेमिक अर्टिकरिअल वास्कुलटिस जिसमें खुजली वाले दाग जो चकते जैसे लगते हैं पर जल्दी खत्म नहीं होते। इस बीमारी में खून में कॉम्प्लीमेंट की मात्रा कम पायी जाती है।

एओसिनोफिलिक पोल्यांजिटिस (चुरग स्ट्रेस सिंड्रोम) एक बहुत कम पायी जाने वाली बीमारी है। चमड़ी व अन्दरूनी अंगों में लक्षण के साथ साथ अस्थमा व एक तरह के खून के कण जो इओसिनोफिल कहलाते हैं का खून व अंगों में बढ़ना।

कोगन सिंड्रोम एक कम पायी जाने वाली बीमारी है जिसमें आँख, कान का अन्दर का भाग प्रभावित होते हैं व चक्कर, कम सुनना व आँख में रोशनी चुभना जैसे लक्षण होते हैं। अन्य अंगों पर भी बीमारी के प्रभाव के लक्षण हो सकते हैं।

बेशेट्स बीमारी को अन्य जगह पर लिखा गया है।